II. An apologetic treatise ; *no equiv.* : *प्रतिवादः.

APOPHTHEGM : (1) वचनम् : (2) वाक्यम् : v. Saying, maxim.

APOPLECTIC : I. subs. : सन्यासरोगिन् (f. णी). II. Adj. : Expr. by tat. comp.

APOPLEXY : सन्यासरोगः.

APOSTASY : (1) स्वधर्मत्यागः (=abandonment of one's religion) ; (2) स्वमतत्यागः (= a. of one's principles) ; (3) परधर्माश्रयः (taking another religion) : v. Desertion.

APOSTATE : (1) *स्वधर्मत्यागिन् (f. नी) ; (2) यः (या, यत्) स्वधर्मं स्वमतं स्वपक्षं वा परित्यज्य परधर्मं, परमतं, परपक्षं वा अवलम्बते, आश्रयति, etc.

APOSTATIZE : स्वधर्मं, स्वमतं, स्वपक्षं वा त्यजति, परित्यजति ; स्वधर्मात् स्वमतात् वा भ्रंसते (भ्रंस्, c. 1.), च्यवते (च्यु, c. 1.).

APOSTLE : (1) *ईश्वरदूतः ; (2) महर्षिः. A. -Ship *ईश्वरदौत्यम्.

APOSTROPHE : I. In Rhe. : सम्बोधनम्. II. In gram. : *अभिनिधानम्.

APOSTROPHIZE : (1) सम्बोधयति (c. of बुध्) ; (2) आह्वयति (ह्वे, c. 1.). : v. To address.

APOTHECARY : (1) *औषधकारः ; (2) भिषज् (m) (=physician, q.v.).

APOTHEOSIS : v. Deification.

APPAL : वि-त्रासयति, सं-, (c. of त्रस्) : v. To terrify.

APPARATUS : उपकरणम् : v. Tools, instruments.

APPAREL (subs.) : परिच्छदः : v. Dress, attire.

APPAREL (v.) : v. To dress, clothe, attire.

APPARENT (adj.) : I. Visible : q.v. प्रादुर्भूत. (ता, तं). II. Evident, clear : q.v. : (1) व्यक्तः (क्ता, क्तं) ; (2) स्फुटः (टा, टं) ; (3) स्पष्टः (ष्टा, ष्टं). III. Seeming (as opposed to real) : (1) प्रकाशः (शा, शं) ; (2) प्रकटः (टा, टं) ; (3) बाह्यः (ह्या, ह्यं) (= external, q.v.) : v. Feigned, false.

APPARENTLY : I. Plainly, clearly : q.v. : व्यक्तम्. II. Ostensibly, seemingly : (1) प्रकाशं ; (2) प्रकटं, Si. xvi. 19. ; (3) बहिः (=externally, q.v.), *a. sweet, but really unfriendly* मधुरं बहिरन्तरप्रियम्, Si. xvi. 17.

APPARITION : I. Appearance : q.v. II. A ghost, phantom : q.v. : छाया.

APPARITOR : no equiv. : दूतः ; अनुचरः.

APPEAL (subs.) : I. Leg. t.t. : *पुनर्विचारप्रार्थना. *A court of a.* *ये प्राड्विवाकाः पुनर्विचारप्रार्थनां श्रोतुमर्हन्ति *or* शृण्वन्ति. II. Reference to some one as an authority or witness : Ph. to make an a. to प्रमाणयति (nomi.). III. Resort, recourse : q.v. IV. An address of entreaty: प्रार्थना.

APPEAL (v.i.) : I. Leg. t.t : पुनर्विचारं प्रार्थयते (अर्थ्, c. 10.). II. To refer to another as an authority : प्रमाणयति : Ph. *I a. to gods about it* अत्र विषये मम देवाः साक्षिणस्तिष्ठन्ति. III. To implore, entreat : q.v. IV. To excite, affect : q.v.

APPEAR (v.i.) : I. To be visible : (1) आविर्भवति *or* प्रादुर्भवति, *a herd of deer a.ed* मृगाणां यूथमाविर्बभूव, R. ix. 55. ; (2) प्रादुरस्ति (अस्, c. 1.) R. xi. 63. ; (3) दृश्यते, अभि-, प्रति-, (pass. of दृश्) (=to be seen) not restricted to real life as (1) and (2). ; *a swan a. ed in their dream* तयोः स्वप्ने कश्चिज्जालपादः प्रत्यदृश्यत, D. i. II. To show one's self : Ph. *she does not a. before me* सा मत्समक्षं नागच्छति (not दर्शनं ददाति, see R. xix. 7.). III. To be out : निर्गच्छति, *an article a. ed in the Induprakāsha about so and so* *अमुकविषयकः प्रबन्ध इन्दुप्रकाशपत्रिकायां निर्गतः. IV. Leg. t.t : to be present : (1) उपतिष्ठति (स्था, c. 1.) ; (2) Perh. दर्शनं ददाति. V. To seem : q.v. प्रतिभाति (भा, c. 2.). VI. To be evident or clear : q.v.

APPEARANCE : I. The act of becoming visible ; (1) आविर्भावः (=actual a. especially of invisible spirits), *who wants to make his a.* (in this world) यश्चाविर्भावमिच्छति, Mah. ; (2) by the verb : v. To appear (I) ; (3) प्रादुर्भावः (rare), Kuv. II. Act of being present : (1) उपस्थितिः ; (2) दर्शनम्, *he who stands a security for one's a.* यो यस्य प्रतिभूस्तिष्ठेद्दर्शनाय. M. viii. 58. III. personal *a.* : (1) आकारः ; (2) आकृतिः. *of good a.* : सुदृश्यः (श्या, श्यं). IV. Semblance, mere show :